# समावर्तन

## २००८

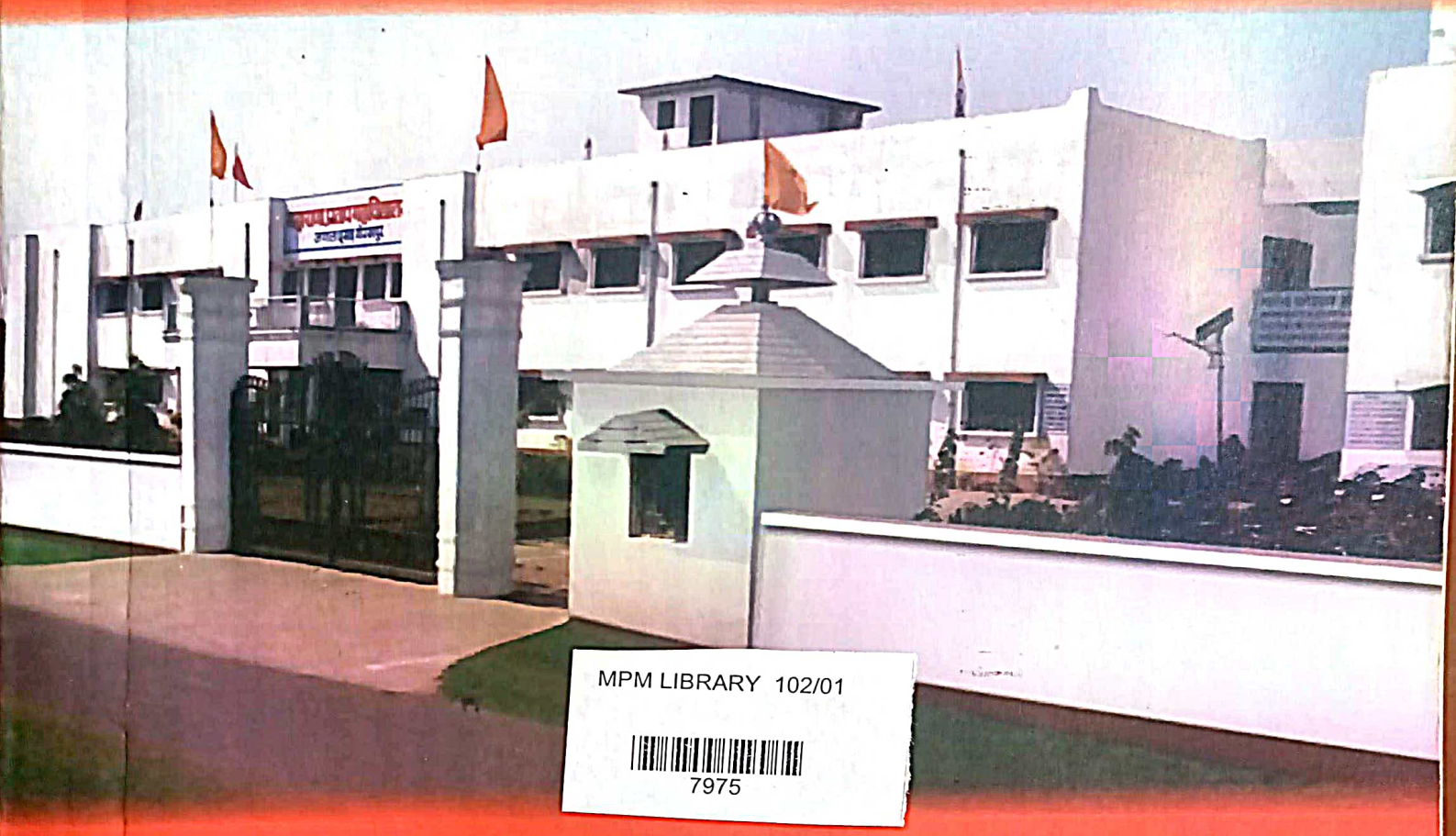

MPM LIBRARY 102/01
7975

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, गोरखपुर
जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

7975

# महाराणा प्रताप महाविद्यालय

## जंगल धूसड़ - गोरखपुर

# मेरे दो शब्द ...

गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ की स्थापना २००४-२००५ में हुई। २१ मई २००४ को इस महाविद्यालय की नींव गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य श्री महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के कर-कमलों द्वारा रखी गई। २१ जून २००५ को पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के सानिध्य में भारत सरकार के पूर्व ...
जोशी ने महाविद्यालय का लोकार्पण किया। ...
स्नातक स्तर की पढ़ाई पूर्ण कर 'स्नातक डिग्री ...

महाराणा प्रताप महाविद्यालय भी ...
भी शैक्षिक संस्था के विकास के लिए तीन व...
नहीं है। किसी भी संस्था का अपने शुरुआत ...
प्राचार्य के रूप में कार्य करते हुए मुझे लग रहा है कि यह मेरा सौभाग्य है, ...
ईश्वर ने प्रदान किया। मुझे अपने व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में ...
उपभोक्तावादी संस्कृति में व्यावसायिकता समाज के सर चढ़कर बोल रही ...
पर कार्य कर रही हैं, एक ऐसे महाविद्यालय में कार्य करने का अवसर पा...
जिसका विकास आर्थिक लाभ-हानि से इतर 'सामाजिक सहभाग' के लि...
से मैं परिचित तो था किन्तु इसकी प्रत्यक्ष अनुभूति महाराणा प्रताप महाविद्या...

महाराणा प्रताप महाविद्यालय का भव्य भवन और विशाल परिसर ...
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ता के रूप में शिक्षा क्षेत्र में का...
करने का अवसर मिला। दो बातें साफ थीं - महाविद्यालय को शिक्षक औ...
करना। महाविद्यालय के पूज्य प्रबन्धक योगी आदित्यनाथ जी महाराज का ...
टीम को बराबर उत्साह भी मिलता रहा। महाविद्यालय को चार चरणों में ...
चलायें द्वितीय - महाविद्यालय शिक्षक चलायें, तृतीय चरण -महाविद्यालय छात्र चलायें और चौथा चरण कि महाविद्यालय स्वतः स्फूर्त चलता रहे। मुझे यह कहते हुए अति प्रसन्नता हो रही है कि हम दूसरा चरण पार कर चुके हैं। महाविद्यालय प्राध्यापक चला रहे हैं। इसका सबसे महत्त्वपूर्ण और ताजा उदाहरण 'समावर्तन' संस्कार समारोह का आयोजन है। गत माह की अति व्यस्तता के कारण ऐसे किसी आयोजन की योजना फिलहाल मेरे मन में न आ सकी। छात्र-छात्राओं द्वारा 'विदाई' कार्यक्रम से प्रारम्भ चर्चा प्राध्यापकों तक आते-आते 'समावर्तन' का रूप धारण कर ली। महत्त्वपूर्ण है कि इस आयोजन का नाम 'समावर्तन' (भारतीय संस्कृति के षोडश संस्कारों में एक संस्कार 'समावर्तन' है) भी प्राध्यापकों ने सुझाया, इस कार्यक्रम की रूपरेखा सब कुछ महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने तैयार की।

मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि इस सत्र में 'प्राचार्य' के नाते 'हस्ताक्षर' छोड़ दिया जाय तो महाविद्यालय को प्राध्यापकों ने चलाया है। छात्रों का प्रशासन में सहभाग की दिशा में भी प्रगति हुई है। छात्र-छात्राओं की प्रवेश समिति तो दूसरे वर्ष से ही कार्य कर रही है। इस सत्र में नियन्ता मण्डल, कार्यक्रम विभाग, खेल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला आदि समितियों में बतौर सदस्य छात्र संघ के पदाधिकारी अथवा प्रतिनिधि रखे गये। यद्यपि इस सत्र में उनकी सक्रियता सन्तोष जनक नहीं रही तथापि हमें विश्वास है कि आगामी दो-तीन वर्षों में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भूमिका महाविद्यालय के संचालन में हो जायेगी।

स्थापना काल से अब तक के लगभग तीन वर्ष में अपनी क्षमता और सोच के अनुसार हमारी टीम (प्राध्यापक, कर्मचारी एवं अनुचर) ने एक अलग तरह का शैक्षिक परिसर निर्माण किया है। महाविद्यालय को प्रतिमान शैक्षिक संस्थान बनाने की दिशा में सबने अपनी-अपनी क्षमतानुसार पूर्ण मनोयोग एवं पारिवारिक भाव के साथ कार्य किया है।

यद्यपि विकास एक अनवरत प्रक्रिया है और यह नहीं कहा जा सकता कि किसी संस्था का पूर्ण विकास हो गया। जहाँ भी पहुँचे हैं, वहाँ से आगे बढ़ना ही विकास प्रक्रिया का अपरिहार्य हिस्सा है। तथापि हमने अब तक जो प्रयास किया है, उसमें कहाँ त्रुटि रह गयी ? और भी क्या हो सकता है! यह निरपेक्ष मूल्यांकनकर्ता ही बता सकता है। महाविद्यालय परिवार अपने शुभचिन्तकों के ऐसे सभी सुझावों का स्वागत करता है। हम निरन्तरता में विश्वास रखते हैं, आगे बढ़ते रहने और चलते रहने में विश्वास रखते हैं, हम निरन्तर सुधार के पक्षधर हैं। आप सभी का सुझाव महाविद्यालय परिवार के लिए आशीर्वाद के समान है। मुझे विश्वास है कि गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित जंगल धूसड़ स्थित महाराणा प्रताप महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जिस प्रकार एक प्रतिमान संस्थान बनकर उभरा है, आप सबके सहयोग एवं आशीर्वाद से अपने प्रगति पथ पर निरन्तर अग्रसर रहेगा तथा महाविद्यालय से स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन के अगले सोपान पर कदम रखने वाले विद्यार्थी देश के एक योग्य नागरिक के रूप में यशस्वी होंगे।

दिनांक-२ मार्च २००८

(डॉ. प्रदीप राव)
प्राचार्य

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) 273014
ग्रन्थालय
परिग्रहण सं. ....................
आह्वान सं. ....................

॥ ओऽम् नमो भगवते गोरक्षनाथाय ॥

## श्री गोरखनाथ मन्दिर

☎ (0551)
2255453
2255454

गोरक्षपीठाधीश्वर

## शुभाशीष

1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना गुरूदेव महन्त दिग्विजयनाथजी महाराज ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के प्रसार हेतु किया था। उन्होंने अपने द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय' को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री गोविन्द वल्लभ पन्त के आग्रह पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु भूमि-भवन एवं अध्यापक-छात्र सहित पूरा महाविद्यालय सरकार को दे दिया। सम्प्रति गोरखपुर विश्वविद्यालय की नींव पड़ी। उसी स्मृति को पुनर्जिवित करते हुए जंगल धूसड़ में 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय' की स्थापना की गई।

यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिमान बन कर उभरा है। हमें प्रसन्नता है कि महाविद्यालय का प्रथम बैच स्नातक की शिक्षा पूरी कर अपने जीवन के अगले सोपान पर कदम रखने के लिए तैयार है। 'समावर्तन संस्कार' के साथ उन्हें महाविद्यालय परिवार 'विदा' करने जा रहा है। मुझे विश्वास है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय में अध्ययन के दौरान यहाँ के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ जो सामाजिक-राष्ट्रीय जीवन की भी शिक्षा एवं प्रेरणा मिली है , उससे उनका मार्ग प्रशस्त होगा । राष्ट्र और समाज को एक योग्य पीढ़ी प्राप्त होगी । मेरा सभी छात्र-छात्राओं को शुभाशीष एवं इस आयोजन के प्रति हार्दिक शुभकामना ।

शुभेच्छू :

(महन्त अवेद्यनाथ)
अध्यक्ष- प्रबन्ध समिति

Dr. BHOLENDRA SINGH
M.Com. Ph.D.
Ex. - Vice Chancellor
Poorvanchal University
Jaunpur

☎ : (051) - 2256934
Residence :-
A-64, Surajkund Colony
Gorakhpur-273001

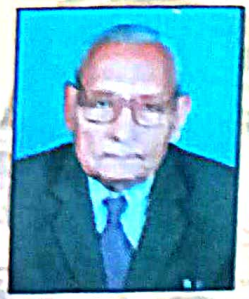

## शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल अविस्मरणीय है। 1932 में ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ शिक्षण संस्थानों की जो श्रृंखला खड़ी हुई, उसमें महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ की स्थापना उच्चशिक्षा में बढ़ते कदम का अगला पड़ाव था। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की इच्छा एवं प्रेरणा से स्थापित यह महाविद्यालय तीन वर्ष पूरा करने जा रहा है। इस सत्र में महाविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त कर चुके पहले 'बैच' के लिए 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन एक प्रसंशनीय प्रयास है। इस प्रयास की सफलता हेतु मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना एवं धन्यवाद प्रेषित कर रहा हूँ ।

(डा0 भोलेन्द सिंह)
पूर्व कुलपति
अध्यक्ष- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर

योगी आदित्यनाथ
सांसद ( लोकसभा )
भारत

## शुभकामना संदेश

शिक्षा में गुणवत्ता का गिरता स्तर उच्च शिक्षा के समक्ष एक बड़ी चुनौती बन कर उभरी है। उच्च शिक्षा परिसरों में अराजकता, अपराधियों का बढ़ता प्रभाव, राजनीतिक दलों का सक्रिय हस्तक्षेप और शिक्षा संस्कृति का निरन्तर ह्रास गम्भीर चिन्ता का विषय है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त, युगानुकूल और भारतीय संस्कृति केन्द्रित शिक्षा के प्रसार हेतु ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। उपरोक्त विषम परिस्थितियों में चुनौती को स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना 2005 में की गयी। शीघ्र ही इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। पूरे सत्र में 145 दिन कार्य दिवस, 25 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने, सप्ताह में एक दिन की कक्षा छात्र-छात्राओं द्वारा पढ़ाये जाने, प्रार्थना एवं राष्ट्रगीत के साथ महाविद्यालय की प्रतिदिन की दिनचर्या शुरू करने, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का आयोजन जैसे अनेक नये-नये प्रयोगों के साथ इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय ख्याति अर्जित की है।

छात्रसंघ की संरचना में नया प्रयोग एवं प्रशासनिक व्यवस्था में छात्र सहभाग की योजना प्रशंसनीय है। यदि यह प्रयोग सफल हुआ तो निश्चित ही यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मानक महाविद्यालय के रूप में जाना जायेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कार का प्रयास भी सराहनीय है। 'समावर्तन' संस्कार समारोह का आयोजन भी भारतीय संस्कृति की शिक्षा परिसर में पुनर्स्थापना का एक प्रयास है। महाविद्यालय द्वारा आयोजित समावर्तन संस्कार यदि दीक्षांत की रूढ़ और परम्परागत खानापूर्ति से अलग सिद्ध हुआ तो निश्चित ही यह प्रयास भी प्रसंशनीय होगा। 'समावर्तन' संस्कार समारोह के सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामना।

भवदीय
( योगी आदित्यनाथ )
प्रबन्धक-महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर



प्रो० यू० पी० सिंह
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह
पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर उ. प्र.

## शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए ब्रह्मलीन दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की श्रृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज जी की देख रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत शिक्षण संस्थानों की स्थापना एवं विकास का कार्य निरन्तर जारी है। सौभाग्य से मुझे भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में 1955 से 1958 तक कार्य करने का सुअवसर मिला महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई। अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के प्रथम 'समावर्तन' संस्कार समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

उ० प्र० सिंह
( प्रो. यू. पी. सिंह )
पूर्व कुलपति

प्रो0 ए0 के0 मित्तल
कुलपति
Prof. A. K. Mittal
Vice-Chancellor

दीनदयाल उपाध्याय
गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ0प्र0)
Deen Dayal Upadhayay
Gorakhpur University, Gorakhpur (U.P.)

## शुभकामना संदेश

मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर अपने महाविद्यालय के स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र- छात्राओं के लिए समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित कर रहा है। यह आयोजन छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगा। महाविद्यालय के समावर्तन संस्कार समारोह से उन्हें व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ सामाजिक राष्ट्रीय जीवन के प्रति भी मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ द्वारा समावर्तन संस्कार समारोह के आयोजन पर हमारी हार्दिक शुभकामना।

Akmittal

प्रो0 (ए0 के0 मित्तल)
कुलपति

प्रो0 राधेमोहन मिश्र
पूर्व कुलपति

दीनदयाल उपाध्याय
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर (उ0प्र0)

## शुभकामना संदेश

जीवन मूल्यों में लगातार गिरावट एवं सामाजिक-राष्ट्रीय जीवन में क्षरण वर्तमान समय में सर्वाधिक चिन्ता का विषय है। शिक्षा के व्यवसायीकरण ने दुनिया सहित भारत की शिक्षा पद्धति को प्रभावित किया है। तथापि भारत में अनेक सामाजिक संस्थाएँ आज भी अनेक क्षेत्रों में न केवल सक्रिय हैं, अपितु राष्ट्र एवं समाज समर्पित संस्थानों, कार्यक्रमों अथवा प्रकल्पों का संचालन कर अनुकरणीय बनी हुई हैं। ये सामाजिक संस्थाएं आशा की किरण बनकर जाज्वल्यमान हैं। गोरक्षपीठ और उसके द्वारा चलाये जाने वाले सामाजिक-सांस्कृतिक अभियान इसी श्रृंखला की एक मजबूत कड़ी है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रान्ति की शुरूआत की। आज पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत दो दर्जन से अधिक शिक्षण संस्थाएँ संचालित हैं। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ की स्थापना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक प्रयास की एक सक्रिय पहल है।

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक यशस्वी महाविद्यालय बनकर उभरा है। अपने शैक्षिक पञ्चांग का अनुपालन, समयबद्ध पढ़ाई, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का आयोजन, छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, अपने तरह का छात्रसंघ, प्रशासन में छात्र सहभाग जैसी योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर इस महाविद्यालय ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रथम बैच के छात्र-छात्राओं के लिए समावर्तन संस्कार समारोह का आयोजन भी एक अलग तरह की पहल है। मुझे पूरा विश्वास है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक 'प्रतिमान' बनकर प्रतिष्ठित होगा। समावर्तन संस्कार समारोह के आयोजन पर मेरी शुभकामना।

प्रो0 (राधे मोहन मिश्र)

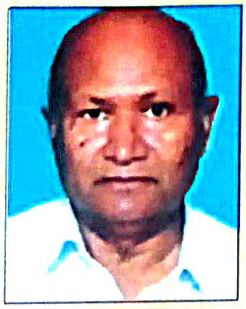

**प्रो. राम अचल सिंह**
पूर्व कुलपति
रा. म. लो. विश्वविद्यालय, फैजाबाद
पूर्व अध्यक्ष
उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, उ. प्र.

## शुभकामना संदेश

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् गोरखपुर, जनपद गोरखपुर व उसके पास के जनपदों में गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्यनीय अवैद्यनाथ जी व उनके उत्तराधिकारी पूज्यनीय योगी आदित्यनाथजी के कुशल मार्गदर्शन के अन्तर्गत लगभग दो दर्जन शिक्षण संस्थाओं का संचालन कर रही है। परिषद् ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना तीन वर्ष पूर्व किया है। इस वर्ष पहला बैच स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहा है।

महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेते हुए महाविद्यालय में शिक्षण कार्य एवं शिक्षणेत्तर कार्य सम्पादित हो रहा है। महाविद्यालय में पढ़ने वाले बालक व बालिकाओं को यहाँ की मिट्टी व जमीन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को यहाँ के इतिहास, संस्कृति, राष्ट्रीय गौरव व राष्ट्रीय स्वाभिमान से जोड़ने के लिए महाविद्यालय हमेशा प्रयत्नशील दिखाई देता है। विषय ज्ञान के साथ ही राष्ट्र के प्रति समर्पण व सामाजिक समरसता का पाठ भी विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है। महाविद्यालय ऐसे नागरिक तैयार कर रहा है जो अपने राष्ट्र को जानें व समझें। अपने राष्ट्र के लिए जीने की प्रेरणा ग्रहण करें।

परिषद् स्थापना काल से ही ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी की प्रेरणा से शीलवान नागरिकों का निर्माण कर रही है। शीलवान मनुष्य से अधिक मूल्यवान कोई चीज है ही नहीं। शील भ्रष्ट मनुष्य केवल पाप ही नहीं करता है अपितु पापियों का पालन पोषण भी करता है। शील विहीन मनुष्य पशु बन जाता है और मनुष्य का पशु बन जाना ही उसकी मृत्यु है।

'समावर्तन' समारोह के अवसर पर मैं महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति शुभकामना व्यक्त करता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों के अन्दर ईश्वर ऐसी ऊर्जा का संचार व संवहन करें कि वे जो भी कार्य सम्पादित करें वह समाज व राष्ट्र के समक्ष एक सद् कार्य के रुप में उपस्थित हो ताकि समाज उससे हमेशा प्रेरणा ग्रहण करता रहे।

राम अचल सिंह

**प्रो. ( रामअचल सिंह )**

**कर्नल बी० पी० शा**
ग्रुप कमा
एनसीसी ग्रुप मुख्याल
मोहद्दीपुर, गोरख

## शुभकामना संदेश

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित जंगल धूसड़ स्थित महाराणा प्रताप महाविद्यालय ने तीन वर्ष की अल्पावधि में उच्च शिक्षा क्षेत्र के संस्थानों में जो ख्याति अर्जित की है, वह प्रसंशनीय है। निरन्तर उच्च शिक्षा में हो रहे ह्रास एवं मानक विहीन शिक्षण संस्थानों की भीड़ में यह महाविद्यालय एक आशा की किरण है। स्नातक स्तर की शिक्षा पूरी कर चुके अपने प्रथम बैच के छात्र-छात्राओं के लिए 'समावर्तन संस्कार' का आयोजन उच्च शिक्षा में भारतीय संस्कृति की पुनर्प्रतिष्ठा का एक प्रयास है। इस प्रयास के लिए महाविद्यालय परिवार प्रसंशा का पात्र है।

इस आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

भानु प्रताप शाही

**( बी० पी० शाही )**

डॉ० वेद प्रकाश पाण्डेय
कृतकार्य प्राचार्य
किसान पी. जी. कालेज
सेवरही, कुशीनगर

## शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हुई है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ वर्तमान सत्र के छात्रों के लिए 'समावर्तन' संस्कार समारोह का आयोजन कर रहा है। आज हमारे चारो ओर बड़ी तेजी से महाविद्यालयों की स्थापना हो रही है। इनमें से अधिकांश का दृष्टिकोण व्यवसायिक है। उनके अध्यापन का मूल स्वर भी व्यवसाय या जीविकोपार्जन के मार्ग की तलाश है। ऐसे में इस महाविद्यालय का अपने छात्रों के व्यक्तित्व के विकास में विशेष रुचि लेना महत्त्वपूर्ण हो जाता है। हमारी कामना है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय अपने मूल उद्देश्य में सफल मनोरथ हो।

गोरक्षपीठ ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय पहल किया है। ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के समय से ही इस क्षेत्र में शिक्षा प्रसार के लिए जो कार्य किया गया, वह जग-जाहिर है। यह संतोष का विषय है कि वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज एवं उनके सुयोग्य उत्तराधिकारी तथा गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ जी महाराज के निर्देशन में आज भी शैक्षिक जागरण का अभियान जारी है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित महाराणा शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संस्थापित होने के कारण ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना सका है। महाविद्यालय द्वारा समावर्तन संस्कार समारोह छात्रों के लिए प्रत्येक प्रकार से मंगलकारी हो।

शुभकामनाओं सहित !

भवदीय :

(वेद प्रकाश पाण्डेय)

डॉ० एल. पी. पाण्डेय
पूर्व निदेशक
माध्यमिक शिक्षा, उ०प्र०

## शुभकामना संदेश

पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में गोरक्षपीठ का योगदान अतुलनीय है। गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर से सम्बद्ध महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रज्ज्वलित एक नयी ज्योति है। स्थापना से अब तक के तीन वर्षों में ही इस महाविद्यालय ने जो यश अर्जित किया है, वह प्रशंसनीय है। महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति एवं युवा प्राध्यापकों की टीम ने एक मानक शिक्षण संस्थान विकसित करने का सराहनीय प्रयास किया है। आज के वर्तमान युग में यह प्रयास एक साहसिक कदम है।

'शिक्षा व्यवसाय के लिए नहीं, समाज एवं राष्ट्र के लिए' की स्थापित मान्यता पर गोरक्षपीठ द्वारा विकसित किया जा रहा यह महाविद्यालय एक अनुकरणीय उदाहरण है। गुणवत्ता युक्त शिक्षा, सुसंस्कृत परिसर, जीवन-मूल्यों के विकास का आग्रह, राष्ट्रीयता अर्थात् भारतीयता की भावभूमि पर शिक्षण पद्धति का विकास इस महाविद्यालय की अलग पहचान बनाता है। 'समावर्तन' संस्कार समारोह का आयोजन भी इस महाविद्यालय की अपनी विशिष्ट पहल है। मुझे विश्वास है कि यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मिशाल बनेगा। प्रथम समावर्तन संस्कार समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामना।

भवदीय :

(डॉ० एल० पी० पाण्डेय)
पूर्व निदेशक, मा.शि., उ०प्र०

समावर्तन

# महाराणा प्रताप महाविद्यालय : एक दृष्टि में

**परिचय :** शिक्षा के प्रयास को लोक जागरण एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई0 में स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की कड़ी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसने अपने प्रथम सत्र से ही महानगर की उच्चशिक्षा की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में अपना स्थान बना लिया । गोरखपुर पिपराइच मार्ग पर महानगर से सटे इस महाविद्यालय की नींव 29 जून 2004 को गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा रखी गयी एवं इसके प्रथम सत्र का उद्घाटन 29 जून 2005 को पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री एवं प्रतिष्ठित शिक्षाविद् प्रो. मुरली मनोहर जोशी द्वारा किया गया।

महाविद्यालय के सांस्कृतिक सभागार का उद्घाटन

गुणवत्ता युक्त एवं मूल्य आधारित शिक्षा व्यवस्था के एक मानक केन्द्र के रूप में विकसित किए जाने की योजना से स्थापित यह महाराणा प्रताप महाविद्यालय प्रथम सत्र से ही छात्र/छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ संस्कार युक्त एवं भारतीय मूल्यों के प्रति आग्रही बनाने का भगीरथ प्रयास प्रारम्भ कर चुका है। हम इस बात का ध्यान रखकर इस संस्था का वातावरण सृजित कर रहे हैं कि यहाँ अध्ययन करने वाला युवा अपने कैरियर के साथ-साथ देश एवं समाज के प्रति अपनी जवाबदेही महसूस करे।

**महाविद्यालय का शैक्षिक पञ्चांग :** महाविद्यालयी कार्य संस्कृति के अनुसार 16 जुलाई से द्वितीय व तृतीय वर्ष की कक्षाएँ प्रारम्भ हो जाती हैं एवं 1 अगस्त से प्रथम वर्ष की कक्षाएँ शुरू हो जाती हैं। प्रात: 9.25 बजे तक सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी महाविद्यालय परिसर में अनिवार्य रुप से उपस्थित हो जाते हैं। प्रार्थना एवं वन्देमातरम् के बाद कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ होता है। पूरे सत्र शैक्षिक पञ्चांग का पालन किया जाता है।

**उपस्थिति :** महाविद्यालय द्वारा इस बात का प्रयास किया जाता है कि छात्र/छात्राओं की लगभग 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो और नि:सन्देह हम इस कार्य में लगभग सफल रहे हैं।

**गणवेश :** महाविद्यालय में प्रत्येक शनिवार और आयोजनों में सुनिश्चित गणवेश लागू है। छात्रों के लिए काली पैन्ट एवं हल्की आसमानी शर्ट, छात्राओं के लिए सफेद चूड़ीदार सलवार युक्त सूट, कर्मचारियों के लिए काली पैन्ट एवं क्रीम शर्ट तथा प्राध्यापकों के लिए काली पैन्ट तथा सफेद शर्ट।

# महाराणा प्रताप महाविद्यालय

**छात्र संघ एवं छात्र सहभागिता :** छात्र/छात्राओं में नेतृत्व एवं प्रशासनिक कुशलता के विकास हेतु प्रतिवर्ष छात्र संघ का चुनाव कराया जाता है। प्रतियोगी परीक्षा एवं उपस्थिति के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि चुने जाते हैं। चुने हुए प्रतिनिधियों में से ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महामन्त्री के प्रत्याशी होते हैं जिनका चुनाव मतदान द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के मतदान से ही सम्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, खेल विभाग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाती है ।

पुस्तकालय में छात्र-छात्राएँ

**छात्र/छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन :** सप्ताह में एक दिन की कक्षाएँ प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा पढ़वायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर छात्र-छात्राओं को कक्षा में प्राध्यापक पढ़ाने हेतु आमंत्रित करता है। इस प्रकार प्रत्येक सप्ताह प्रत्येक विषय में लगभग 10 छात्र/छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है।

वाचनालय

**मासिक मूल्यांकन :** प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्न-पत्र में प्रति माह छात्र-छात्राओं का मूल्यांकन किया जाता है।

**विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा :** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा के पूर्व महाविद्यालय द्वारा आन्तरिक परीक्षा करवायी जाती है। इससे छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय की परीक्षा का पूर्वाभ्यास होता है एवं प्रश्नपत्रों के प्रारुप के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। प्रत्येक छात्र-छात्राओं को मूल्यांकन के उपरान्त उनकी उत्तर पुस्तिका दिखायी जाती है । सर्वोच्च पाँच उत्तर पुस्तिकाओं को पुस्तकालय में छात्र-छात्राओं के अवलोकनार्थ रखा जाता है। विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रत्येक वर्ग ( कला, विज्ञान एवं वाणिज्य ) से प्रथम पाँच छात्र/छात्राओं को प्रवेश समिति का सदस्य नामित कर दिया जाता है तथा इसके साथ ही साथ उन्हें प्राध्यापकों के समान पुस्तकीय सहायता प्रदान कर दी जाती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर मे अतिथि

**पुस्तकालय :** महाविद्यालय के समृद्ध पुस्तकालय में पाठ्यक्रम की पुस्तकों के संग्रह के साथ-साथ भारतीय धर्म एवं संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकों का भी संग्रह है। प्रत्येक विद्यार्थियों को दो पुस्तकें तथा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रथम पाँच छात्र/छात्राओं को, छात्रसंघ के पदाधिकारियों को प्राध्यापकों के समान पुस्तकीय सहायता प्रदान की जाती है।

महाविद्यालय की प्रयोगशाला

**सूचना एवं परामर्श केन्द्र :** महाविद्यालय में सूचना एवं परामर्श केन्द्र का विकास किया गया है, जिसमें छात्र-छात्राओं को देश-विदेश के शैक्षिक संस्थाओं के विषय में जानकारी देने के अतिरिक्त मेडिकल, इन्जीनियरिंग, सिविल आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु समय-समय पर सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

**राष्ट्रीय सेवा योजना :** भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय के प्रारम्भिक सत्र से महाविद्यालय के छात्रों में सामाजिक सेवा के बोध का उन्नयन कर रहा है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो ईकाई कार्यरत है।

सप्ताह का विमोचन करते अतिथिगण

**क्रीड़ा :** 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।' विद्यार्थियों को शारीरिक रुप से स्वस्थ बनाये रखने के उद्देश्य से महाविद्यालय में नियमित रुप से अपराह्न तीन बजे के उपरान्त विभिन्न क्रीड़ाओं, जैसे- बॉलीबाल, क्रिकेट, बैंडमिंटन इत्यादि का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थी अपने रुचि के अनुरुप विभिन्न खेलों में सहभाग करते हैं।

कक्षाध्ययन में छात्र-छात्रायें

**शिक्षक - अभिभावक बैठक :** वर्ष में दो बार ( 2 अक्टूबर एवं 26 जनवरी को ) शिक्षक-अभिवक बैठक होती है।

**शिक्षक मूल्यांकन :** छात्र-छात्राओं द्वारा महाविद्यालय के शिक्षकों का मूल्यांकन 'अभिमत प्रपत्र' के माध्यम से किया जाता है। उक्त प्रपत्र प्राचार्य के अतिरिक्त केवल सम्बन्धित प्राध्यापक को उपलब्ध कराया जाता है।

**भावी योजनाएँ :** महाविद्यालय को स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य पाठ्यक्रमों की मान्यता प्राप्त है। इस शिक्षा परिसर को केन्द्र बनाकर आगे परास्नातक कला, विज्ञान, वाणिज्य की पढ़ाई के साथ-साथ बी० एड०, बी० पी० एड० सहित अन्ये पाठ्यक्रमों यथा बी० बी० ए०, एम० बी० ए०, एम० सी० ए० आदि आधुनिक रोजगार परक शिक्षा पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने की योजना है। जिसमें परास्नातक रसायन विज्ञान, परास्नातक प्राचीन इतिहास, बी० एड० एवं बी० पी० एड० पाठ्यक्रमों के अनापत्ति हेतु पत्रावली भेजी जा चुकी है तथा आगे आवश्यक कार्यवाही चल रही है। स्नातक स्तर पर कम्प्युटर साइंस, सांखिकी, इलेक्ट्रानिक,मनोविज्ञान, रक्षाअध्ययन एवं इतिहास विषयों की मान्यता हेतु भी 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' हेतु पत्रावली उत्तर प्रदेश शासन को भेजी जा चुकी है।

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान देते अतुल भाई कोठारी

छात्र संघ का शपथ ग्रहण समारोह

# महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम
## सत्र 2005-06

**1 अगस्त** : कैरियर गाइडेन्स शिविर के साथ शिक्षण सत्र का शुभारम्भ। पहली कक्षा अधिकांशतः विषय के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा पढ़ाकर सत्रारम्भ किया गया -

| | | |
|---|---|---|
| गणित | - | प्रो. यू. पी. सिंह, पूर्व कुलपति एवं पूर्व अध्यक्ष, गणित विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| भौतिक विज्ञान | - | प्रो. राम अचल सिंह, पूर्व कुलपति एवं अध्यक्ष उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश। |
| प्राचीन इतिहास | - | प्रो. शिवाजी सिंह, पूर्व अध्यक्ष, प्रा. इतिहास विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| अंग्रेजी | - | प्रो. एस. सी. बोस, पूर्व अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| हिन्दी | - | प्रो. सदानन्द गुप्त, हिन्दी विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| प्राणि विज्ञान | - | प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| अर्थशास्त्र | - | प्रो. पी. सी. शुक्ला, अर्थशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| वाणिज्य | - | डा. एच. एस. वाजपेयी, वाणिज्य विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| राजनीति शास्त्र | - | डॉ. दिनेश सिंह, राजनीति शास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि. गोरखपुर |

**12 अगस्त** : 'तुलसीदास जयन्ती' पर गोष्ठी का आयोजन।

| | | |
|---|---|---|
| वक्ता | - | प्रो. सदानन्द गुप्त, हिन्दी विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| | | डॉ. गणेश प्रसाद पाण्डेय, हिन्दी विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |

**13 अगस्त** : देश विभाजन की पूर्व संध्या पर गोष्ठी का आयोजन।

| | | |
|---|---|---|
| विषय | - | देश विभाजन -गुनाहगार कौन? |
| अध्यक्षता | - | योगी आदित्यनाथ जी महाराज |
| वक्ता | - | प्रो. विजय बहादुर राव, पूर्व अध्यक्ष, प्रा. इतिहास विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| | - | प्रो. अशोक श्रीवास्तव, इतिहास विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |

**15 अगस्त** : स्वतंत्रता दिवस समारोह

**17 अगस्त** : रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर "भारतीय संस्कृति में रक्षाबन्धन का महत्त्व एवं श्रावण पूर्णिमा का महात्म्य" विषय पर व्याख्यान का आयोजन।

| | | |
|---|---|---|
| वक्ता | - | डॉ. कुँवर बहादुर कौशिक, पूर्व प्राचार्य, ज. ने. डिग्री कालेज, बाँसगाँव, गोरखपुर |
| | - | डॉ. राजवन्त राव, उपाचार्य, प्रा. इतिहास विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |

**22 अगस्त** : 'अध्ययन की प्रभावी प्रविधियाँ' विषय पर कार्यशाला।

| | | |
|---|---|---|
| मार्गदर्शक | - | डॉ. राजशरण शाही, प्रवक्ता, शिक्षाशास्त्र विभाग, बुद्ध पी. जी. कालेज, कुशीनगर। |

**14 सितम्बर** : हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन।

| | | |
|---|---|---|
| वक्ता | - | प्रो. कृष्ण चन्द्र लाल, अध्यक्ष, कला संकाय, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |
| | - | प्रा. सुरेन्द्र दूबे, हिन्दी विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |

**9 अक्टूबर** : 'भारतीय जीवन पद्धति पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव' विषय पर व्याख्यान।

| | | |
|---|---|---|
| वक्ता | - | डॉ. रघुनाथ चन्द्र, पूर्व उपाचार्य, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, गोरखपुर |

**10 अक्टूबर** : राष्ट्रीय सेवा योजना के 'प्रताप इकाई' का उद्घाटन।

| | | |
|---|---|---|
| अतिथि | - | प्रो. पी. सी. शुक्ल, पूर्व समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |

**25 नवम्बर** : व्याख्यान प्रतियोगिता, विज्ञान संकाय

| | | |
|---|---|---|
| उद्घाटन | - | प्रो. जयप्रकाश, प्रति कुलपति, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर |

**27 नवम्बर** : शिक्षक-अभिभावक बैठक।

**28 नवम्बर** : अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषण प्रतियोगिता।

**29 नवम्बर** : सामान्य ज्ञान, कम्प्यूटर, प्रश्न मंच प्रतियोगिता।

☞ 30 नवम्बर : अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता ।
☞ 4-10 दिसम्बर : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् स्थापना सप्ताह समारोह के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ।
☞ 4 दिसम्बर : शोभा यात्रा।
☞ 23 दिसम्बर : व्याख्यान प्रतियोगिता ( कला एवं वाणिज्य संकाय ) ।
☞ 2 जनवरी : राष्ट्रीय सेवा योजना के दस दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन ।
अध्यक्ष- योगी आदित्यनाथ जी महाराज
मुख्य अतिथि- डा. के. एन. सिंह, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना,दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर
☞ 11 जनवरी : राष्ट्रीय सेवा योजना के दस दिवसीय विशेष शिविर का समापन।
अध्यक्ष- डॉ. के. एन. सिंह, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना,दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर
मुख्य अतिथि- श्री विजय कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक
विशिष्ट अतिथि- श्री कृष्णानन्द त्रिपाठी, पुरातत्ववेत्ता
☞ 26 जनवरी : गणतन्त्र दिवस समारोह

प्रथम सत्र में लोक सेवा आयोग, सी.पी.एम.टी., इन्जीनियरिंग आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के मार्गदर्शन में पाक्षिक कार्यशाला का आयोजन हुआ।

## सत्र 2006-07

☞ 17 जुलाई : 'संवाद' पत्रिका का उद्घाटन ।
अध्यक्ष- योगी आदित्यनाथ जी महाराज
मुख्य अतिथि - डॉ. पृथ्वीश नाग, निदेशक, नाटमो कोलकाता
विशिष्ट अतिथि - प्रो. यू. पी. सिंह (पूर्व कुलपति), प्रो. राधेमोहन मिश्र (पूर्व कुलपति)
प्रो. रामअचल सिंह (पूर्व कुलपति), प्रो.वी.क. श्रीवास्तव (पूर्व अध्यक्ष,भूगोल)
☞ 13 अगस्त : देश - विभाजन की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी का आयोजन ।
विषय- मुस्लिम आरक्षण, देश विभाजन की पुनः तैयारी।
अध्यक्ष - प्रा. यू. पी. सिंह, पूर्व कुलपति।
मुख्य अतिथि -श्री.अतुल भाई कोठारी, शिक्षाविद् ,दिल्ली
विशिष्ट अतिथि - डॉ. वाई. डी. सिंह, अध्यक्ष, बाल रोग विभाग, मेडिकल कालेज, गोरखपुर।
☞ 30 सितम्बर : व्याख्यान प्रतियोगिता
उद्घाटन - प्रो. राम अचल सिंह, पूर्व कुलपति
☞ 30 नवम्बर : चन्द्रशेखर आजाद जन्म शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन ।
वक्ता - सतीश चन्द्र द्विवेदी,प्रभारी, अर्थशास्त्र बिभाग, बुद्ध पी. जी. कालेज, कुशीनगर।
☞ 4 से 10 दिसम्बर : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् स्थापना सप्ताह समारोह के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम ।
☞ 4 दिसम्बर : शोभा यात्रा
☞ 18 दिसम्बर : रामप्रसाद विस्मिल के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर व्याख्यान का आयोजन ।
विषय- स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्तिकारी आंदोलन की भूमिका
वक्ता - डॉ. हरेन्द्र शर्मा, प्राचार्य ,वीर बहादुर सिंह महिला महाविद्यालय, गोरखपुर
- डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी, उपाचार्य, इतिहास विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि., गोरखपुर

10 जनवरी : राष्ट्रीय सेवा योजना के दस दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन।

अध्यक्ष – योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य अतिथि – डा. के. एन. सिंह, समन्वयक,राष्ट्रीय सेवा योजना, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर

19 जनवरी : राष्ट्रीय सेवा योजना के दस दिवसीय विशेष शिविर का समापन।

अध्यक्ष – कुँवर डा.नरेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि – प्रो. राधेमोहन मिश्र, पूर्व कुलपति, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर

विशिष्ट अतिथि – श्री श्याम बिहारी अग्रवाल, आयकर अधिवक्ता, गोरखपुर

26 जनवरी : गणतन्त्र दिवस समारोह

## सत्र 2007-08

31 जुलाई : 'पौधारोपण' का कार्यक्रम।

अतिथि – श्रीमती अन्जू चौधरी, महापौर, गोरखपुर

– डॉ. झूरीराम, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा निदेशक, गोरखपुर

13 अगस्त : देश विभाजन की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी का आयोजन।

वक्ता – प्रो. अरुण कुमार मित्तल, कुलपति दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर

– डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी, उपाचार्य, इतिहास विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर

15 अगस्त : स्वतन्त्रता दिवस समारोह

20 से 25 अगस्त : ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला

20 अगस्त उद्घाटन :-

अध्यक्ष – प्रो. शिवाजी सिंह, पूर्व अध्यक्ष, प्रा० इतिहास विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर

मुख्य अतिथि – प्रो. के. बी. पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश

21 अगस्त : विषय – निर्मल वर्मा का निबन्ध साहित्य

वक्ता – प्रो. सदानन्द गुप्त, हिन्दी विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर

विषय – भारतीय संस्कृति के मूल तत्व

वक्ता – प्रो. विपुला दूबे, प्राचीन इतिहास विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर

22 अगस्त : विषय – पर्यावरण चुनौतियाँ एवं प्रबोधन

वक्ता – प्रो. शिव शंकर वर्मा, अध्यक्ष, भूगोल विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि.,गोरखपुर

विषय – भारत के परमाणु कार्यक्रम : बदलता परिदृश्य

वक्ता – डॉ. दिलीप कु. द्विवेदी, भौतिक विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गोरखपुर

23 अगस्त : विषय – गामा किरणों का विस्फोट

वक्ता – डॉ. शशि भूषण पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आर्यभट्ट रिसर्च इन्स्टीच्यूट, नैनीताल

विषय – पूर्वी उत्तर प्रदेश में आर्थिक विकास

वक्ता – डॉ. शैलेन्द्र मणि, सम्पादक, दैनिक जागरण, गोरखपुर

– सतीश चन्द द्विवेदी, प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग, बुद्ध पी. जी. कालेज, कुशीनगर

24 अगस्त : विषय - भारतीय समाज में जाति व्यवस्था
वक्ता - प्रो. एस. एम. मिश्र, अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
- प्रो. एस. के. दीक्षित, अध्यक्ष, भूगोल विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि., गोरखपुर

☞ 25 अगस्त : ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला का समापन।
अध्यक्ष - पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज
मुख्य अतिथि - प्रो. राम अचल सिंह, पूर्व कुलपति

☞ 22 नवम्बर : व्याख्यान प्रतियोगिता का उद्घाटन।
मुख्य अतिथि - प्रो. जगत नारायण पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष, भूगोल विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि., गोरखपुर

☞ 26 नवम्बर : व्याख्यान प्रतियोगिता का समापन।
मुख्य अतिथि - प्रो. सूरज लाल श्रीवास्तव, अध्यक्ष, भौतिक विज्ञान, दी.द.उ.गो.वि.वि., गोरखपुर

☞ 16 दिसम्बर : 'जेनेटिक इन्जीनियरिंग' विषय पर व्याख्यान का आयोजन।
वक्ता - प्रो. सी. पी. एम. त्रिपाठी, अध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि., गोरखपुर

☞ 13 जनवरी : राष्ट्रीय सेवा योजना के दस दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन
अध्यक्ष - योगी आदित्यनाथ जी महाराज।
मुख्य अतिथि - डॉ. के. एन. सिंह, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

☞ 23 जनवरी : 'सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती' एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के दस दिवसीय विशेष शिविर का समापन।
वक्ता - प्रो. शिव बहाल सिंह, अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि., गोरखपुर
- रोहित पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार, हिन्दुस्तान, गोरखपुर

☞ 12 जनवरी : 'स्वामी विवेकानन्द जयन्ती' पर गोष्ठी का आयोजन।

☞ 26 जनवरी : गणतन्त्र दिवस समारोह 8.30 से 10.30 प्रतः
छात्र संघ की आम सभा 11.00 से 12.00 पुर्वाह्न
शिक्षक अभिभावक बैठक। 12.00 से 2.00 अपराह्न

## छात्र संघ 2005-2006

चुनाव - 30 अगस्त 2005
शपथ ग्रहण समारोह - 5 सितम्बर 2005
प्रत्येक शनिवार को छात्र संघ की आम सभा की बैठक

## छात्र संघ 2006-2007

चुनाव - 30 अगस्त 2006
शपथ ग्रहण समारोह - 5 सितम्बर 2006
प्रत्येक 15 दिन पर छात्र संघ की आम सभा की बैठक

## छात्र संघ 2007-2008

चुनाव - 1 सितम्बर 2007
शपथ ग्रहण समारोह - 7 सितम्बर 2007
छात्र संघ आम सभा की नियमित बैठक नहीं हो पायी। 26 जनवरी 2008 को आम सभाकी बैठक सम्पन्न हुई।

# विशेष आयोजन

## राष्ट्रीय संगोष्ठी ( 7-9 जनवरी, 2006 ) :

'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन कर महाविद्यालय ने अपने प्रथम सत्र में ही अकादमिक क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी। संगोष्ठी का उद्घाटन प्रसिद्ध विचारक एवं राजनैतिक चिन्तक माननीय के. एन. गोविन्दाचार्य ने तथा विषय प्रवर्तन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं जाकिर हुसैन चेयर, मैसूर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. आर. पी. मिश्र ने किया। अध्यक्षता पुरातत्ववेत्ता प्रो. शिवाजी सिंह ने किया। समापन अवसर पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. भरत झुनझुनवाला मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। संगोष्ठी में 12 प्रान्तों के 169 प्रतिनिधियों सहित कुल 300 प्रतिभागियों ने अपने शोधपत्रों का प्रस्तुतिकरण किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते के.एन. गोविन्दाचार्य एवं अन्य अतिथि

**संवाद पत्रिका का विमोचन-** सत्र 2006 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर आधारित पत्रिका 'संवाद' का विमोचन नाटमो के निदेशक डा. पृथ्वीश नाग ने किया। इस अवसर पर 'ग्रामीण भारत का भविष्य ' विषय पर उनका शोधपूर्ण व्याख्यान हुआ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र को सम्बोधित करते भरत झुनझुनवाला

## ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला :

सत्र 2007-2008 में ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला ( 20-25 अगस्त 2007 ) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस व्याख्यान माला का उद्घाटन कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उत्तर प्रदेश, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 के0 बी0 पाण्डेय ने किया। व्याख्यान-माला में देश के विभिन्न भागों से आए हुए विषय-विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान दिए।

महाविद्यालय में व्याख्यान देते डॉ. पी. नाग एवं मंचासीन अतिथि

## महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह :

प्रति वर्ष महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह 4 से 10 दिसम्बर तक मनाया जाता है। 4 दिसम्बर को उद्घाटन अवसर पर शोभा यात्रा निकलती है। शोभायात्रा में श्रेष्ठ प्रदर्शन एवं अनुशासन आदि के आधार पर तीन पुरस्कार दिये जाते हैं। वर्ष 2005 एवं 2006 का प्रथम पुरस्कार महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ को प्राप्त हुआ। 2007 में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ को द्वितीय पुरस्कार मिला। उल्लेखनीय है कि इस शोभा यात्रा में महानगर के दो दर्जन से अधिक शिक्षण संस्थाएँ भाग लेती है। 2004 तक शोभा यात्रा का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार इण्टर कालेज स्तर तक के विद्यालय पाते रहे हैं।

महाविद्यालय में व्याख्यानमाला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अतिथि

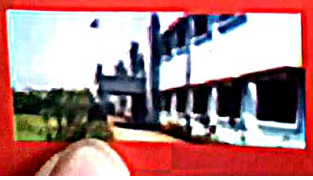

# छात्र-संघ के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि

## छात्र-परिषद् 2005-2006

अध्यक्ष — श्री सुधांशु शुक्ला, बी.ए. प्रथम वर्ष

उपाध्यक्ष — श्री रीतेश पाण्डे, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

महामंत्री — श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, बीएस-सी. प्रथम वर्ष

### प्रतिनिधि :-

श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

सुश्री प्रियंका शाही – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री सूर्य प्रताप सिंह – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री सुबोध कुमार मिश्रा – बी.ए. प्रथम वर्ष

सुश्री प्रियंका दूबे – बी.ए. प्रथम वर्ष

श्री अभिषेक तिवारी – बी.ए. प्रथम वर्ष

श्री सन्तोष कुमार पाल – बी.ए. प्रथम वर्ष

मो0 अफजाल अंसारी – बी.ए. प्रथम वर्ष

श्री रामेश्वर गुप्ता – बी.कॉम. प्रथम वर्ष

श्री घनश्याम प्रजापति – बी.ए. प्रथम वर्ष

श्री मनीष कुमार दूबे – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री आशुतोष श्रीवास्तव – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री विवेक श्रीवास्तव – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री सुशील कुमार पाण्डेय – बी.ए. प्रथम वर्ष

श्री सुनील सिंह – बी.ए. प्रथम वर्ष

## छात्र-परिषद् 2006-2007

अध्यक्ष — श्री दीपेन्द्र कुमार सिंह, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

उपाध्यक्ष — श्री अभिषेक तिवारी, बी.ए. द्वितीय वर्ष

महामंत्री — सुश्री अंजनी त्रिपाठी, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

### प्रतिनिधि :-

श्री संतोष श्रीवास्तव – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री दीपक कुमार – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री सुजीत कुमार सिंह – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री हरिशंकर – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री सुनील सिंह – बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

श्री आकाश श्रीवास्तव – बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

श्री दीपेन्द्र प्रताप सिंह – बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव – बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

श्री आशुतोष कुमार – बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

श्री प्रदीप – बी.ए. प्रथम वर्ष

सुश्री अर्चना गुप्ता – बी.ए. प्रथम वर्ष

सुश्री शमॉ अफरोज – बी.ए. प्रथम वर्ष

सुश्री संगीता गुप्ता – बी.ए. प्रथम वर्ष

श्री अजीत कुमार – बी.ए. प्रथम वर्ष

श्री दिवाकर कुमार – बी.ए. प्रथम वर्ष

श्री विद्या सागर प्रजापति – बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

श्री रवि प्रकाश श्रीवास्तव – बी.ए. द्वितीय वर्ष

श्री जितेन्द्र गुप्त – बी.ए. द्वितीय वर्ष

श्री गौरव राज सिंह – बी.ए. द्वितीय वर्ष

श्री अभिषेक तिवारी – बी.ए. द्वितीय वर्ष

श्री सुबोध कुमार मिश्र – बी.ए. द्वितीय वर्ष

श्री प्रेम आनन्द सिंह – बी.ए. द्वितीय वर्ष

श्री राहुल सिंह – बी.ए. द्वितीय वर्ष

श्री देवेश कुमार श्रीवास्तव – बी.कॉम. प्रथम वर्ष

श्री रामेश्वर प्रसाद गुप्त – बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

### मनोनीत सदस्य :-

कु0 जैस्मिन चौधरी (सांस्कृतिक गतिविधि) – बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

कु0 रतन सिंह (छात्र प्रतिनिधि) – बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

## छात्र-संघ 2007-08

अध्यक्ष — कु0 बबिता सिंह, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष
उपाध्यक्ष — श्री दीपक कुमार, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष
महामन्त्री — श्री संदीप शर्मा, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष

### प्रतिनिधि :-

| | | |
|---|---|---|
| श्री प्रतीक कुमार दास | – | बी.एस-सी. प्रथम वर्ष |
| श्री संदीप शर्मा | – | बी.एस-सी. प्रथम वर्ष |
| श्री महेश चौरसिया | – | बी.एस-सी. प्रथम वर्ष |
| सुश्री अभिलाषा यादव | – | बी.एस-सी. प्रथम वर्ष |
| श्री वागीश राज पाण्डेय | – | बी.एस-सी. प्रथम वर्ष |
| सुश्री अंजनी त्रिपाठी | – | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष |
| सुश्री रिंकी यादव | – | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष |
| सुश्री नीतू दूबे | – | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष |
| सुश्री अनुराधा सिंह | – | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष |
| श्री विद्या सागर प्रजापति | – | बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष |
| श्री अश्वनी कुमार सिंह | – | बी.एस-सी. तृतीय वर्ष |
| सुश्री प्रियंका शाही | – | बी.एस-सी. तृतीय वर्ष |
| श्री आशुतोष कुमार श्रीवास्तव | – | बी.एस-सी. तृतीय वर्ष |
| सुश्री अनुपमा सिंह | – | बी.एस-सी. तृतीय वर्ष |
| श्री प्रवीण कुमार मौर्या | – | बी.ए. प्रथम वर्ष |
| श्री जितेन्द्र गुप्ता | – | बी.ए. प्रथम वर्ष |
| श्री योगेन्द्र कुमार यादव | – | बी.ए. प्रथम वर्ष |
| श्री राजीव कुमार पाण्डेय | – | बी.ए. प्रथम वर्ष |
| श्री विश्व प्रकाश पाण्डेय | – | बी.ए. प्रथम वर्ष |
| श्री शीतल प्रजापति | – | बी.ए. प्रथम वर्ष |
| सुश्री संजना यादव | – | बी.ए. प्रथम वर्ष |
| श्री कृत्येश कुमार कन्नौजिया | – | बी.ए. द्वितीय वर्ष |
| सुश्री शमा अफरोज | – | बी.ए. द्वितीय वर्ष |
| कुमारी पूनम | – | बी.ए. द्वितीय वर्ष |
| सुश्री बिन्दु चौहान | – | बी.ए. द्वितीय वर्ष |
| श्री अरुण कुमार सिंह | – | बी.ए. द्वितीय वर्ष |
| श्री दिवाकर | – | बी.ए. द्वितीय वर्ष |
| सुश्री रत्ना तिवारी | – | बी.ए. तृतीय वर्ष |
| श्री अभिषेक तिवारी | – | बी.ए. तृतीय वर्ष |
| श्री सुबोध मिश्रा | – | बी.ए. तृतीय वर्ष |
| सुश्री स्मिता अग्रहरी | – | बी.ए. तृतीय वर्ष |
| सुश्री सुशीला चौरसिया | – | बी.ए. तृतीय वर्ष |
| श्री प्रदीप चौरसिया | – | बी.कॉम. प्रथम वर्ष |
| श्री चन्द्र प्रकाश यादव | – | बी.कॉम. द्वितीय वर्ष |
| श्री दीनानाथ प्रजापति | – | बी.कॉम. तृतीय वर्ष |
| मनोनीत सदस्य | – | स्थान रिक्त |

## प्रवेश परामर्श समिति

### प्रवेश सत्र : 2006-2007

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सत्र 2006-07 में प्रवेश हेतु निम्न छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रवेश समिति का सदस्य नामित किया गया है।

**वाणिज्य संकाय**
- श्री रामेश्वर कुमार गुप्ता
- श्री अजय कुमार गुप्ता
- श्री अंकित कुमार सिंह
- श्री अमित कुमार जायसवाल

**कला संकाय**
- श्री रवि प्रकाश श्रीवास्तव
- श्री राहुल सिंह
- श्री सुबोध मिश्र
- कु0 रत्ना तिवारी
- श्रीमती स्नेहा पाठक

**विज्ञान संकाय**
- श्री आशुतोष कुमार श्रीवास्तव
- कु0 जैश्मिन चौधरी
- कु0 अनुपमा सिंह
- श्री आशीष श्रीवास्तव
- श्री विनीत कुमार
- श्री सुनील सिंह
- कु0 प्रियंका शाही
- श्री रीतेश पाण्डेय
- श्री हृदयेश कुमार मिश्र
- श्री अजय कुमार गुप्ता
- श्री अमरनाथ त्रिपाठी
- श्री दीपकुमार चन्द

### प्रवेश सत्र : 2007-2008

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सत्र 2007-08 में प्रवेश हेतु निम्न छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रवेश समिति का सदस्य नामित किया गया है।

**बी. ए. प्रथम वर्ष**
- श्री अविनाश कुमार सिंह
- सुश्री पूनम
- सुश्री अर्चना गुप्ता
- श्री दीपेन्द्र चौधरी
- सुश्री अर्चना गुप्ता

**बी. ए. द्वितीय वर्ष**
- सुश्री रत्ना तिवारी
- सुश्री सोनी सिंह
- श्री निमेष कुमार गुप्ता
- सुश्री स्मिता अग्रहरी
- श्री लाल बहादुर थापा

**बी.एस-सी. प्रथम वर्ष**
- श्री अशोक सिंह
- सुश्री रेनू सिंह
- श्री अंकेश कुमार कन्नौजिया
- श्री अभिनव सिंह
- श्री अंजनी त्रिपाठी
- सुश्री नीतू दूबे
- सुश्री अनुराधा सिंह
- सुश्री राधिका सिंह
- सुश्री प्रगति त्रिपाठी
- श्री सुजीत कुमार सिंह

**बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष**
- श्री सुनील सिंह
- श्री विश्वम्भर नाथ
- श्री आकाश श्रीवास्तव
- श्री बबिता सिंह
- श्री अमरनाथ त्रिपाठी
- श्री आशुतोष श्रीवास्तव
- श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव
- श्री अनुपमा सिंह
- श्री विनीत कुमार सिंह
- सुश्री प्रियंका दूबे

**वाणिज्य : प्रथम वर्ष**
- श्री मुकेश कुमार डे
- श्री संदीप कुमार शुक्ल
- श्री देवेश कुमार श्रीवास्तव
- श्री शत्रुधन चौहान
- श्री गोपी कृष्ण

**वाणिज्य : द्वितीय वर्ष**
- श्री रामेश्वर कुमार गुप्ता
- श्री अजय कुमार गुप्ता
- श्री अंकित सिंह
- श्री अभय कुमार राव
- श्री सुरेन्द्र कुमार प्रजापति

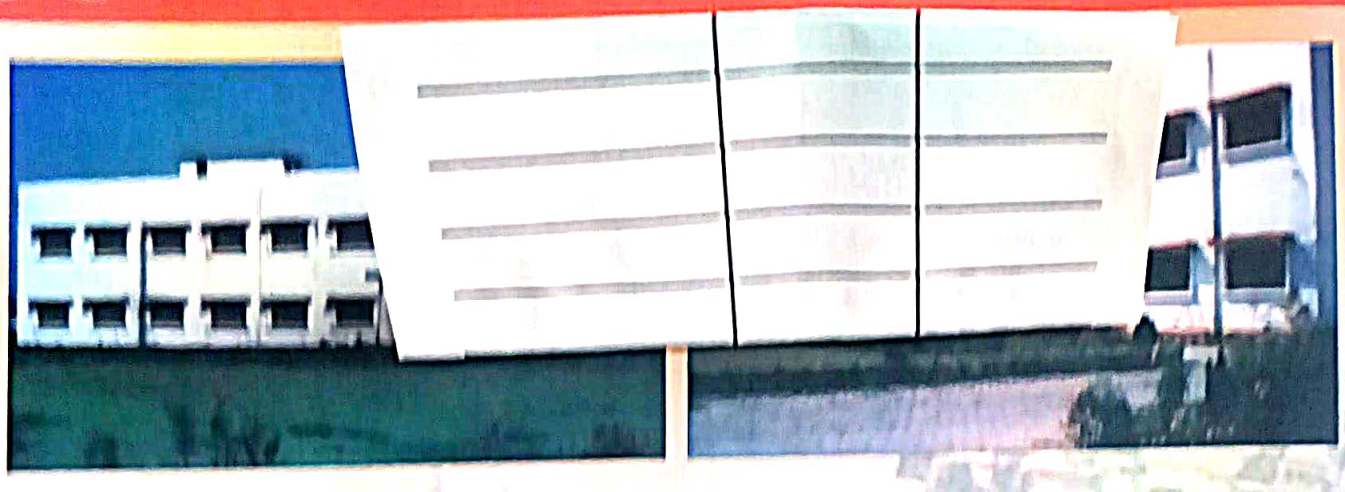

## शिक्षक-अभिभावक समिति

2 अक्टूबर, 2007 को सम्पन्न शिक्षक-अभिभावक बैठक में 'शिक्षक अभिभावक समिति' का गठन किया गया जिसके पदाधिकारी एवं सदस्य निम्नवत् हैं-

अध्यक्ष

श्री सुरेन्द्र कुमार, अभिभावक

मंत्री

डॉ0 प्रवीण कुमार, शिक्षक

सदस्य

श्री चन्द्रिका प्रसाद , अभिभावक
श्री गौरी शंकर सिंह , अभिभावक
श्री मुरली प्रसाद , अभिभावक
श्री एम0 पी0 शाही , अभिभावक
श्री डी0 पी0 श्रीवास्तव , अभिभावक
श्री सत्येन्द्र प्रसाद , अभिभावक
श्रीमती रामरती देवी , अभिभावक
श्री मणिप्रकाश , अभिभावक
श्रीमती गीता सिंह , अभिभावक
श्रीमती मन्जू पाण्डेय , अभिभावक

प्राचार्य एवं शिक्षक इस समिति के पदेन सदस्य होंगे

## प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष — श्री महन्त अवेद्यनाथ, गोरक्षपीठाधीश्वर
उपाध्यक्ष — प्रो. यू. पी. सिंह, पूर्व कुलपति,
प्रबन्धक/सचिव — श्री योगीआदित्यनाथ, सांसद (लोकसभा)
सदस्य

श्री प्रमोद चौधरी, प्रतिष्ठित व्यवसायी
श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा, अधिवक्ता
श्री पारसनाथ मिश्रा, अधिवक्ता
श्री प्यारे मोहन सरकार, अधिवक्ता
श्री गोरक्ष प्रताप सिंह, निदेशक, जी. एन. म. स्कूल
श्री योगी कमलनाथ, धर्माचार्य
श्री कुँवर नरेन्द्र प्रताप सिंह, (स्वर्गवास- 26.4.07)
श्री राम जन्म सिंह, प्रधानाचार्य

## महाविद्यालय परिवार

डॉ0 प्रदीप राव
प्राचार्य

### प्राध्यापक गण

- डॉ॰ विजय कुमार चौधरी — प्रभारी — भूगोल विभाग, मुख्य नियन्ता
- डॉ॰ रघुवीर नारायण सिंह — प्रभारी — प्राणि विज्ञान विभाग, प्रयोगशाला उपकरण क्रय
- डॉ॰ स्नेहलता त्रिपाठी — प्रभारी — वनस्पति विज्ञान विभाग एवं नियन्ता
- डॉ॰ शिव कुमार बर्नवाल — प्र... — ... परीक्षा नियन्त्रक एवं नियन्ता
- डॉ॰ अविनाश प्रताप सिंह — प्र...
- डॉ॰ अलका श्रीवास्तव — प्र... — ...सेवा योजना
- डॉ॰ कृष्ण देव पाण्डेय — प्र... — ..., रा. सेवा योजना
- सु.श्री. ज्योति वर्मा — प्र...
- डॉ॰ शालिनी सिंह — प्र... — ...हायक नियन्ता
- डॉ॰ लोकेश कुमार प्रजापति
- डॉ॰ विवेक शुक्ल — ...कार्यक्रम
- डॉ॰ कविता मन्ध्यान
- डॉ॰ पुरुषोत्तम पाण्डेय
- डॉ॰ संतोष कुमार
- डॉ॰ अभय कुमार श्रीवास्तव
- डॉ॰ प्रवीन्द्र कुमार
- डॉ॰ दिव्या पाण्डेय
- डॉ॰ प्रकाश प्रियदर्शी
- डॉ॰ राजेश शुक्ला
- डॉ॰ सत्य प्रकाश सिंह


**महाराणा प्रताप महाविद्यालय**
जंगल धूसड़, गोरखपुर ( उ.प्र. )-273014

कृपया ध्यान दें -
1. पुस्तक खो देने, फाड़ देने या बरबाद कर देने पर पाठक को उसके बदले में नयी पुस्तक देना होगा या पुस्तक का दोगुना मुल्य देना होगा ।
2. आवश्यकतानुसार पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा निर्गमित पुस्तक को किसी भी समय लौटाने के निर्देश का पालन अनिवार्य होगा ।

हमें पुस्तक का उसी प्रकार उपयोग करना चाहिए जैसे मधुमक्खी पुष्प का करती है, वह मधु संचित कर लेती है, किन्तु इसे क्षति नहीं पहुंचाती .. (काल्टन)

**पुस्तकें साफ एवं सुरक्षित रखें।**


### सहायक ग्रन्थालयी

श्री संजय कुमार मल्ल

### तृतीय श्रेणी कर्मचारी

श्री ऋषि कुमार गौतम, कार्यालय प्रमुख
श्री विकास शुक्ल, कार्यालय सहायक
श्री बृजेश सिंह, प्रयोगशाला सहायक, प्राणि विज्ञान विभाग
श्री सुभाष कुमार, प्रयोगशाला सहायक, भूगोल विभाग
श्री सन्तोष कुमार, प्रयोगशाला सहायक, भौतिक विज्ञान
श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, प्रयोगशाला सहायक, रसायन विभाग
श्री उमाचरण मिश्र, प्रयोगशाला सहायक, वनस्पति विज्ञान विभाग

### चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री राम रतन, परिचर, श्री विश्वनाथ, परिचर
श्री योगेन्द्र, परिचर, श्री ओमप्रकाश परिचर
श्री हीरालाल, परिचर, श्री धर्मवीर, माली

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

# समावर्तन